16 साल पहले बनाया सोलर पार्क, केपी ग्रुप के CMD डॉ. फारुक पटेल ने कैसे खड़ी की 160 बिलियन की कंपनी

भरुच के त्रालसा कोठी गांव को छोड़कर सूरत में बसे डॉ. फारुक पटेल ने देश ही नहीं बल्कि दुनिया में नाम रोशन किया है. उनकी यह सक्सेस स्टोरी हर किसी को प्रेरणा देने वाली है. भरूच जिले में बोया गया यह बीज आज वटवृक्ष बन चुका है. इस शख्स ने कैसे अपनी जन्मभूमि को सूर्य की किरणों से चमका दिया है, जानते हैं इस रिपोर्ट में.

केपी ग्रुप के सीएमडी डॉ. फारुक पटेल

TV9 Bharatvarsh | Updated on: Apr 08, 2024 | 8:00 PM

रिन्युएबल एनर्जी समय की मांग है और यही वजह है कि आज की तारीख में इस क्षेत्र की बिजनेस गतिविधियां लगातार बढ़ती जा रही है. बचत, स्वरोजगार और पर्यावरण की बेहतरी को ध्यान में रखते हुए केपी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. फारुक पटेल की पहल ने एक नया मुकाम हासिल किया है. उन्होंने गुजरात के सूरत में रिन्युएबल एनर्जी ऑर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है. आज केपी ग्रुप का बिजनेस अम्पायर 160 बिलियन से ज्यादा का हो गया है. उनकी तीन कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी लि. केपी एनर्जी लि. और केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लि. स्टोक मार्केट में लिस्टेड है. वह 35 से अधिक कंपनी के मालिक हैं.

वाईब्रेंट गुजरात में 17690 का एमओयू

केपी ग्रुप ने हाल ही में वाईब्रेंट गुजरात के तहत 17690 रुपये का एमओयू साइन किया है. कंपनी ने भरूच के अलावा भावनगर, कच्छ, सुरेन्द्रनगर, पोरबंदर जैसे कई जिलों में विंड फार्म इंस्टॉल किए हैं और हाइब्रिड पर काम किया है. कंपनी का टोटल पोर्टफोलियो 3.7 गीगावोट्स का है. कंपनी इकरा (A-) रेटिंग धारक है.

डॉ. फारुक पटेल के विजन से केपी ग्रुप ने अब भरूच के ही वागरा गांव में 26 विंड टर्बाइन इंस्टॉल करने की दिशा में काम शुरू किया है. केपीआई ग्रीन एनर्जी और केपी एनर्जी की मार्केटकैप 13892 करोड़ रुपये (23 फरवरी-2024) है. ग्रुप की फ्लैगशीप कंपनी केपी ग्रीन इंजीनियरिंग हाल में एमएसई प्लेटफोर्म पर देश का सबसे बड़ा आईपीओ 189.50 करोड़ का लॉन्च किया. पहले ही दिन यह कंपनी का मार्केट कैप 1050 करोड़ पर जा पहुंचा.

जन्मभूमि में से है खास लगाव

सूरत की भूमि से उनका खास लगाव है. क्योंकि यह उनकी जन्म भूमि भी है. यही वजह है कि उन्होंने अपने ग्रुप का नाम केपी यानि कोठी गांव के पटेल से रखा है. डॉ. फारुक पटेल के पिताजी गुलाम पटेल स्टेट ट्रान्सपोर्ट की बस में कंडक्टर के तौर पर महज 700 रुपए के वेतन की नौकरी करते थे. 1973 में उनका तबादला भरुच से सूरत हुआ. फारुक यहीं पले-बढ़े. एजुकेशन ली और एक लाख की जमा पूंजी से 1994 में केपी ग्रुप की शुरुआत की. इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट, फेब्रिकेशन-गेल्वेनाइजिंग का काम शुरू किया.

आज से 16 साल पहले उन्होंने रिन्युएबल एनर्जी के सेक्टर में प्रवेश किया. उन्होंने अपनी जन्मभूमि भरूच जिले के त्रालसा कोठी गांव के करीब के गांव सुडी-समनी में जमीन खरीद की. यहां पहला सोलर पार्क पांच मेगावोट्स का लगाया. कहते हैं जब उन्होंने सोलर पार्क का आइडिया भरूच में रखा तो लोगों ने गंभीरता से नहीं लिया. लेकिन आज यही सुडी-समनी गांव में 250 एकड़ से अधिक जमीन में उनका गुजरात का सबसे बड़ा प्राइवेट सोलर पार्क है.

25 से अधिक गांवों में लगाए सोलर पार्क

फारुक यहीं नहीं रुके, पूरे भरूच जिले के अलग-अलग 25 से अधिक गांवों में उन्होंने सोलर पार्क लगाए. उसमें हाइब्रिड प्लांट भी शामिल है. वेसे पूरे गुजरात में देखा जाए तो केपी ग्रुप के 32 सोलर-हाइब्रिड प्लांट्स हैं ऑर 380 मेगावॉट्स का प्लांट रनिंग है. केपी ग्रुप ने टोटल 1.1 गीगावॉट्स रिन्युएबल एनर्जी (सोलर ऑर विंड) प्लांट कमिशनिंग किया है. कंपनी के पास 2.6 गीगावॉटस् प्रोजेक्ट पाइपलाईन में है. खास बात यह कि केपी ग्रुप के पास भरूच जिले के कोरा गांव में सबसे पहले सात विंड टर्बाइन इंस्टॉल करने का रिकार्ड है. कंपनी के पास आज 2000 एकड़ से अधिक का लैंड बैंक है.

सालाना 53,000 मैट्रिक टन का प्रोडक्शन

देश में मोस्ट प्रमोशिंग ब्रांड और बेस्ट ब्रांड का अवॉर्ड भी कंपनी को मिला है. केपी ग्रुप की फ्लैगशीप कंपनी केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड गेल्वेनाइजिंग-फैब्रिकेशन फील्ड में काम करती है. यह कंपनी रिन्युएबल एनर्जी में मुख्य सपोर्टिंग रोल निभा रही है, कंपनी की सालाना 53,000 मैट्रिक टन की प्रोडक्शन कैपेसिटी है और मदर विलेज (भरूच) में ही 2.94 लाख मैट्रिक टन के कैपेसिटी वाला नया वर्कप्लेस डेवलप कर रही है. यानी भरुच में डॉ. फारुक बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहे है. कंपनी के पास 2000 से अधिक किलोमीटर का वी-आई का एफआरटी वर्क भी है.

इनोवेशन, टैलेन्ट, क्रिएटिवीटी मैनेजमेन्ट के लिए डॉक्टरेट

केपी ग्रुप के सीएमडी डॉ. फारुक पटेल को अपने काम में इनोवेशन, टैलेन्ट , क्रिएटिवीटी मैनेजमेन्ट के लिए अमेरिकन ईस्ट-कोस्ट यूनिवर्सिटी ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी दी है. डॉ. फारुक नया करने के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने 16 स्टेट में मोबाइल टावर इंस्टॉलेशन का काम भी किया. उस समय उन्होंने कंपनी को एक टॉवर में अनेक नेटवर्क का आइडिया दिया और उस पर काम कर के भी दिखाया. सोलर पार्क में प्लॉट सेलिंग से करीब 1500 से अधिक लोगों के 25 साल के लिए फिक्स आमदनी भी उपलब्ध कराई. भरुच जिले जंबुसर तालुका के कोरा गांव में पहली बार सात विंड टर्बाइन इंस्टॉल कर उन्होंने एनर्जी सेक्टर को चौंका दिया.

ग्रीन हाइड्रोजन-एमोनिया के प्रोजेक्ट पर काम

हालांकि ऐसी मान्यता थी कि विंड मिल गुजरात में सिर्फ सौराष्ट्र, कच्छ क्षेत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर सकती है. अब डॉ. फारुक ग्रीन हाइड्रोजन-एमोनिया का पायलट प्रोजेक्ट कर रहे हैं. वह भी भरुच के सुडी गांव जहां पर उन्होंने पहला सोलर पार्क लगाया. वह दिल के भी अच्छे हैं, बच्चों को बेहतर एजुकेशन देने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं. केपी ग्रुप के सीएसआर आर्म केपी ह्युमन डेवलपमेन्ट के तहत करीब 11 हजार स्टूडेंट्स लाभ ले रहे हैं. जिसमें यूपीएससी-जीपीएससी और कॉम्पिटेटिव एक्जाम के स्टूडेंट्स भी शामिल हैं. केपी ह्युमन देश का पहला दिव्यांगों का वृद्धाश्रम भी बना रही है, वह भी भरूच के झघडिया गांव में है.

डॉ. फारुक के लिए यह पंक्ति जरूर कह सकते हैं कि चंद दिनों का इश्क हम करते नहीं, गांव के आशिक है जनाब हर किसी पे मरते नहीं.

Development Journey: केपी ग्रुप एवं इसके विकास यात्रा से जुड़े सवाल-जवाब तथा वार्तालाप के अंश

24 May 2024 5:37 PM

आइए खुशहाली की ओर, आइए समृद्धि की ओर, नवीकरणीय उर्जा की ओर

प्रश्न - आपके ब्रांड ने चुनौतियों का सामना कैसे किया और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

उत्तर - केपी ग्रुप भारत में रिन्युएबल एनर्जी प्रदाता, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट, गेल्वेनाइजिंग-फेब्रिकेशन जैसे क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति वाला एक ग्रूप है। इस ग्रुपने विभिन्न चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। इससे पहले, समूह ने श्री मुनाफ पटेल को केपी ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर के रूप में पेश किया था और

हाल ही में जाने-माने बॉलीवुड अभिनेता श्री सूरज पंचोली को ग्रुप की एक कंपनी केपी ग्रीन इंजीनियरिंग के ब्रांड एंबेसडर के रूप में पेश किया है।

प्रश्न - वह कौन सा ब्रांड नारा है, जो समय के साथ कायम है? क्या आप अपने ब्रांड के मुख्य सीमाचिह्न बता सकते हैं?

उत्तर – हमारे ब्रांड का नारा "आइए खुशहाली की ओर, आइए समृद्धि की ओर, नवीकरणीय उर्जा की ओर" हैं।

केपी ग्रुप की स्थापना मुख्य प्रबंध निदेशक(सीएमडी) डॉ. फारुक जी. पटेल द्वारा की गई थी। इस ग्रूप ने शुरुआत में लॉजिस्टिक्स सेवाओं में कदम रखा और खुदके और किराए के वाहनों के साथ एक मजबूत नींव स्थापित की। एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत करते हुए, केपी ग्रुप ने टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के क्षेत्र में प्रवेश किया, मोबाइल टेलीकॉम में एक जगह बनाई और भविष्य की सफलता के लिए आधार तैयार किया। केपी ग्रुप ने केपीआई ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की स्थापना करके सौर ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखा और फिर बाद में केपी एनर्जी लिमिटेड के साथ पवन ऊर्जा में प्रवेश किया। हाल ही में, ग्रूप ने केपीआई ग्रीन हाइड्रोजन प्राइवेट लिमिटेड के साथ ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में प्रवेश किया है। केपी ग्रुप की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रतिष्ठित करदाता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो उनकी पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं का प्रमाण है। इसके साथ ही केपी ह्यूमन डेवलपमेंट फाउंडेशन की स्थापना भी की गई, जो मानवीय भलाई में, शिक्षा, हेल्थ क्षेत्र में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

प्रश्न - अपने ब्रांड की उल्लेखनीय विशेषताएं बताएं जो ग्राहकों के साथ जुड़ी हैं। आपके ब्रांड उद्योग जगत में कैसे अलग है, जो इसे एक बेहतर विकल्प बनाते है? अपने युनिक सेलिंग प्रपोजीशन(USP-अद्वितीय विक्रय प्रस्ताव) साझा करें।

उत्तर - सौर ऊर्जा में, केपीआई ग्रीन एनर्जी गुजरात के सबसे बड़े निजी सौर

पार्क का मालिक है और उसका संचालन करता है। अब तक 38 सोलार व हाइब्रिड पार्क का निर्माण कर चुका है. केपी एनर्जी गुजरात की #1 BOP समाधान प्रदाता है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग भारत के रिन्युएबल-इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट में अपना महत्वपूर्ण रोल अदा कर रहा है. 16 राज्यों में मोबाइल टावर और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर व चारणका में 100 मेगावोट्स का सोलार इन्स्टोलेशन का अनुभव है. कंपनी भरुच के मातर गांव में 2.94 लाख मेट्रिक टन की उत्पादन क्षमतावाली नइ फेकटरी का निर्माण कर रही है। केपी ग्रुप को मोस्ट प्रमोशिन ब्रांड-2023, रिन्युएबल एनर्जी में टोप-10 इन्डियन कंपनी में आगे बढते समूह में सामिल किया गया है. हारुन इन्डिया के रिचेस्ट लिस्ट में भी डॉ. फारुक को स्थान मिला है. समूह मार्केट कैप के हिसाब से टोप-500 कंपनी में स्थान बना चुका है. ग्रुप ग्रीन हाइड्रोजन में भी कदम बढा चुका है.

ग्रुप ने सफलतापूर्वक रिन्युएबल एनर्जी में 1.2+ गीगावॉट स्थापित किया है और 2.2+ गीगावॉट व्यवसाय आगे पाइपलाइन में है। ग्रुप का कुल मिलाकर 3.4 गीगावोट रिन्युएबल पोर्टफोलियो है. आज इस ग्रुप की एक कंपनी एनएसई और बीएसई के मुख्य बोर्ड पर है और अन्य दो कंपनियां बीएसई पर सूचिबद्ध हैं। समूह का मार्केट कैपिटलाइजेशन(बाज़ार पूंजीकरण) लगभग 18,600+ करोड़ रु. (दि. 25 -04-24) है। कंपनी अपनी कुल उपलब्ध भूमि को 2,217 एकड़ से अधिक तक विस्तारित करने में भी सक्षम रही है। हाल ही में केपी ग्रीन इंजीनियरिंग को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया गया था और इसने भारत के सबसे बड़े एसएमई आईपीओ बनकर इतिहास रचा और लिस्टिंग के दिन 1050+ करोड़ मार्केट कैप हासिल किया। वैसे (18 मइ 2024) को इसका मार्केट कैप 3464 करोड़ है।

प्रश्न - क्या आप अपने लोगो के विकास के पीछे की कहानी बता सकते हैं?

उत्तर – मूल रूप से केपी का फूल फोर्म देखे तो कोठी गांव के पटेल है। केपी ग्रुप की स्थाप्ना 1994 में हुई तब ही वतन प्रेम के कारण ग्रुप के सीएमडी डॉ.फारुकने यह नाम रखा. ग्रुप की सफलता के चलते कंपनी के सीएमडी डॉ. फारुक को लोंग फारुक केपी के नाम से ही संबोधित करते है। लेकिन कंपनी के ग्रोथ के साथ अब केपी का अर्थ, K का यानी "कामयाबी" और P का अर्थ है "पथ/रास्ता"। इसलिए, केपी का मतलब कामयाबी का पथ भी लोगो द्वारा कहा जाता है।

प्रश्न - आपके ब्रांड के कौन से अभियान ग्राहकों को सबसे अधिक पसंद आए और किन प्रमुख तत्वों ने जनता के बीच उनकी सफलता में योगदान दिया?

उत्तर – हमने सौर उर्जा क्षेत्र में प्रवेश के साथ "सोलरिज़्म" शब्द को अपने ब्रांड नाम के रूप में गढ़ा है। वास्तव में हम सामान्य जन से लेकर बिजनेस समूहो तक पहुंचना चाहते थे और यह भी चाहते थे कि, लोग क्रांति का हिस्सा बनें, जिसे हम अपने समूह के सौर मंडल से शुरू कर रहे हैं। सोलरिज्म एक पोर्टमंट्यू है, जहां हम "solar + ism" को एक साथ आते हुए देखते हैं। यहां "solar" शब्द स्पष्ट रूप से सौर ऊर्जा को उत्पाद के रूप में दर्शाता है, जबकि, "ism" एक शब्द के अंत में जोड़ा गया एक प्रत्यय है जो यह दर्शाता है कि यह शब्द एक विशिष्ट अभ्यास, प्रणाली या दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है। यह बिल्कुल बताता है कि हम इस अभियान से क्या चाहते थे। इसलिए, हमने इस ब्रांड नाम के इर्द-गिर्द एक जिंगल बनाया और इसे सभी लोकप्रिय रेडियो स्टेशनों पर प्रसारित किया। सभी एम्पलाई की कोलर ट्युन बनाया. हमें आश्चर्य हुआ कि यह अभियान हमारे लिए रातों-रात गेम चेंजर बन गया। यह जिंगल जनता के बीच इतना लोकप्रिय था कि जब भी वे "solarism" शब्द सुनते थे तो व्यक्ति मुस्कुराहट के साथ जिंगल गुनगुनाना शुरू कर देता था। उस मुस्कुराहट और तत्काल गुनगुनाहट ने साबित कर दिया कि यह हमारे लिए एक बड़ी सफलता थी।

अनुभव निर्माण: ब्रांड की वे उल्लेखनीय उपलब्धियाँ, महत्वपूर्ण क्षण और प्रमुख निर्णय जिन्होंने इसके विकास और सफलता को प्रेरित किया.

साहसिक निर्णय: पहले निर्माण क्षेत्र से दूरसंचार की ओर बढ़ने और फिर लगातार बढ़ते सौर और पवन उर्जा बिजनेस के अभिग्रहण करने के प्रत्येक रणनीतिक कदम ने विकास के नए रास्ते खोले। हाल ही में, केपी ग्रुप ने 300 करोड़ रु. के लिए QIP अपनाया था, जो कुछ ही घंटों में सफलतापूर्वक तीन गुना ओवरसब्सक्राइब हो गया था। कंपनी दुसरे क्युआईपी की दिशा में भी बढ रही है. उपरांत सुडी गांव जैसी एक विरान जगह पर सोलार पार्क बनाना भी एक बडा साहस था. आज ग्रुप की 38 साइट मौजूद है.

निर्णायक इनोवेशन: दक्षिण गुजरात की पहली विंड टर्बाईन स्थापित करने और अग्रणी हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाओं ने केपी ग्रुप को एक तकनीकी अग्रणी के रूप में स्थापित किया। रिकॉर्ड समय में कुल 7 पवन टर्बाइन, वह भी अन छुइ जगाह भरुच जिल्ला, जंबुसर तहसिल के कोरा गांव में इन्स्टोल की गई. केपी ग्रुप ने वह मीथ को तोडा के विन्ड टर्बाईन के लिए आदर्श स्थल गुजरात में सिर्फ सौराष्ट्र व कच्छ में ही है. दक्षिण गुजरात में ग्रुप दुसरी 120 विन्ड टर्बाइन इन्स्टोल करने जा रहा है.

ग्रीन (हरित) के प्रति प्रतिबद्धता: महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं के माध्यम से कार्बन कटौती को प्राथमिकता देने से केपी समूह की छवि एक पर्यावरण चैंपियन के रूप में मजबूत हुई। अब तक Co2 39+ लाख मीट्रिक टन की बचत हुई। हाल ही में, केपी ग्रुप ने गुजरात में 2.6+GW नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन(MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मजबूत नेतृत्व: संस्थापक सीएमडी डॉ. फारुक पटेल के विज़न ने IIM, IIT,

CA, CS, वैज्ञानिकों, सेना के पूर्व अधिकारियों, निवृत सरकारी अफसरो की एक समर्पित टीम के साथ मिलकर उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा दिया और विकास को गति दी। अब उन्की सेकन्ड जनरेशन भी बिजनेस में जुड कर नया साहस कर रही है.

सबका (सभी के लिए) विकास: केपी ग्रुप सामाजिक दायित्व भी बखुबी निभा रहा है. ग्रुप के सीएमडी डॉ. फारुक समाज को रिटर्न देने में मानते है. सीएसआर नियम से 10-12 प्रतिशत अधिक खर्च अपनी सीएसआर गतिविधि में खर्च कर रहा है. ग्रपु भरूच, जघडिया गांव में विश्व का पहला माना जाता दिव्यांगो का वृद्धाश्रम बना रहा है. ग्रुप की सीएसआर गतिविधियों से लगभग 1.25 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। आज केपी ग्रुप 186 बिलियन से अधिक का बिजनस एम्पायर बन गया है।

डॉ. फारुक जी. पटेल (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, केपी ग्रुप) - भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में अपना काम शुरू कर दिया है और हमें गर्व है कि केपीग्रुप इसमें एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। हमने व्यक्तिगत रूप से 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में 10+ गीगावॉट निर्माण करने का लक्ष्य रखा है। इससे न केवल भारत सरकार की योजनाओं में मदद मिलेगी, बल्कि मानवता और दुनिया के लिए एक स्वच्छ और हरित ऊर्जा में समाधान भी मिलेगा।

एडटेक के साथ नई सीमाओं को पार किया:

प्रश्न - आपके ब्रांड ने अपनी उपस्थिति को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी का किस तरह से उपयोग किया है?

उत्तर - बदलती टेक्नोलॉजी के साथ हम अपने ग्राहकों को बेहतर सर्विस देने और अपने आप को एक उमदा ब्रांड बनाने के लिए खुद को और सिस्टम को भी अपडेट कर रहे हैं। मार्केटिंग के लिए हमने ट्रेडिशनल तरीको के साथ में ऑनलाइन मार्केटिंग वर्टिकल को अपनाया है और Google खोज परिणामों के साथ-साथ अन्य सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर भी हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।